।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति,श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

लोस में विपक्ष की जगह प्रतिपक्ष शब्द का प्रयोग हो – आचार्य महाप्रज्ञ

–अंकित सेठिया (मीडिया सहसंयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 23 फरवरी : राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने लोकसभा में विपक्ष नेता की जगह प्रतिपक्ष नेता शब्द का प्रयोग करने पर जोर दिया है। उन्होने तेरापंथ मीडिया के माध्यम से राजनीतिक दलों तक अपना संदेश पहुंचाते हुए कहा कि पक्ष के लिए प्रतिपक्ष जरुरी है। प्रतिपक्ष के बिना पक्ष टिक नहीं सकता। उन्होने कहा कि विपक्ष शब्द विरोध का वाचक है। विरोध करने से किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। हर मुद्दे पर समीक्षा होनी चाहिए, विरोध नहीं। उल्लेखनीय है कि आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ के इंगित से ही तत्कालीन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष हरिशंकर भाबड़ा ने विपक्ष की जगह प्रतिपक्ष शब्द के प्रयोग को उचित माना था और इसके प्रयोग हेतु राजनीतिक दलों को पत्र भी लिखा था। जिसका ही नतीजा है आज राजस्थान विधानसभा में विपक्ष की जगह प्रतिपक्ष शब्द का प्रयोग किया जाता है। आचार्य महाप्रज्ञ ने इस सन्दर्भ में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी अपना संदेश दे चुके हैं।

सात्विक आहार से निर्मित होते है सात्विक विचार

तेरापंथ भवन (उपरलो) के प्रज्ञासमवसरण में आचार्य सिद्धसेन द्वारा भगवान पार्श्व की स्तवना में निर्मित कल्याण मंदिर स्त्रोत्र पर प्रवचन करते हुए विरोध और मैत्री शब्दों की विवेचना की। उन्होने स्त्रोत्र के श्लोकों में छिपे रहस्यों एवं विरोधाभाष अलंकरणों को सरल भाषा में प्रस्तुत कर भगवान पार्श्व के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

युवाचार्य महाश्रमण ने गीता एवं उत्तराध्ययन के तुलनात्मक प्रवचन में कहा कि सात्विक आहार करने वाला अकाल मृत्यु से बच सकता है। व्यक्ति आहार के असंयम से बीमारियों में जकड़ जाता है और जल्द मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। पेट साफ तो सौ रोग माफ के मर्म को समझने वाला आयुष्य को बढ़ाता है। भूख लगने पर भोजन करना, जिस भोजन को करने से मन में संतोष हो और स्निग्ध, रुचिकर आहार लेने वाला सात्विक वृति वाला होता है। सात्विक आहार से सात्विक विचार निर्मित होते हैं। उन्होने कहा कि सात्विक आहार में मात्रा का विवेक रखना भी जरुरी है।

आज होगा युवाचार्य महाश्रमण का गौशाला में प्रवचन

आचार्य महाप्रज्ञ के उत्तराधिकारी युवाचार्य महाश्रमण का प्रवचन आज आड़सर बास स्थित गौशाला में होगा। उक्त जानकारी देते हुए प्रवास व्यवस्था समिति के मीडिया सहसंयोजक अंकित सेठिया ने बताया कि युवाचार्य महाश्रमण मानवधर्म अणुव्रत पर प्रातः 9 बजे गौशाला के नवनिर्मित हॉल में प्रवचन करेंगे। आज तेरापंथ भवन में प्रवचन कार्यक्रम नहीं रहेगा। गौशाला में श्रद्धालुओं के पहुंचने के लिए मालू भवन से प्रवास व्यवस्था समिति की तरफ से बसों की व्यवस्था की गई है।

अंकित सेठिया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक